युवराज न्यूज़ टुडे

NEWS TODAY Update

RNI:- BIHHIN05409

www.newstodayupdate.in

आपकी आवाज़

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 06 अंक : 08+25 तिथि : 25 मई 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अस्थाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

लॉकडाउन ने तय कर दिया है कि इस बार का चुनाव अलग तरीके से लड़ा जाएगा, प्रवासी श्रमिकों की संख्या बड़ा फर्क पैदा कर सकती है

चुनाव विशेष:

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

लॉकडाउन के दौरान घर लौटे प्रवासी श्रमिकों को अपना बनाने की होड़ उत्तर प्रदेश से होते हुए बिहार तक पहुंच गई है। रोजी–रोटी छोड़कर लाखों की संख्या में लोग लौटे हैं तो राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक के रूप में आंकने लगे हैं। श्रमिकों पर सबमें चारों तरफ से कृपा बरसाने की बेताबी है। राष्ट्रीय जनता दल समेत तमाम विपक्षी दल संवेदना जता रहे हैं। परेशान श्रमिकों को अपना बता रहे हैं। सत्तारूढ़ दल भी पीछे नहीं हैं। आरोप–प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुके हैं।

30 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिकों के लौटने का अनुमान

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अभी तक विभिन्न राज्यों से बिहार में करीब 11 लाख से ज्यादा प्रवासी आ चुके हैं। इससे भी ज्यादा लाइन में हैं। प्रशासन की नजरों से बचकर आए प्रवासियों की तादाद भी कम नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक सभी माध्यमों से लौटे प्रवासियों को मिलाकर यह संख्या 30 लाख से ज्यादा हो सकती है। सबके परिजनों को भी जोड़ लिया जाए तो यह संख्या चार से पांच गुणी तक पहुंच सकती है।

विधानसभा चुनाव प्रभावित करने के लिए काफी यह तादाद

इतनी बड़ी संख्या में लौटे प्रवासी परिवार बिहार विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए काफी है। यही कारण है कि कामगारों की परेशानी और आक्रोश को विपक्ष भुनाने में लगा है, जबकि सत्ता पक्ष मरहम लगाने की कोशिश कर रहा है।

चुनाव में अब कुछ महीने ही शेष, वोटों के लिए जोड़–तोड़ शुरू

सांगठनिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। वोटों के लए जोड़–तोड़ है। लॉकडाउन ने तय कर दिया है कि इस बार का चुनाव अलग तरीके से लड़ा जाएगा। वोटरों को रिझाने–समझाने का तरीका अलग होगा। प्रवासी श्रमिकों की संख्या बड़ा फर्क पैदा कर सकती है।

आरजेडी की लालू रसोई के नाम पर पक्ष–विपक्ष आमने–सामने

आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के नाम पर विधायक तेजप्रताप यादव ने गरीबों और मजदूरों को खिलाने की व्यवस्था की। नाम रखा लालू रसोई। आरजेडी के नेता–कार्यकर्ता इसे जगह–जगह चलाने लगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि जनता दल यूनाइटेड के लोग लालू रसोई को चलने नहीं देना चाहते हैं। वे गरीबों की मदद का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन के जरिए एक–दो जगहों से इसे हटाने का भी आरोप लगाया। आग्रह किया कि भोजनालयों से राजद का बैनर भले हटा दीजिए, लेकिन मजदूरों को खाना खाने दीजिए।

आरोपों पर बोला जेडीयू– राजनीति कर आरजेडी

उधर, जेडीयू ने तेजस्वी के आरोपों को खारिज करते हुए जवाब दिया कि लालू रसोई के नाम पर आरजेडी राजनीति कर रहा है। जेडीयू के प्रवक्ता निखिल मंडल ने कहा कि लालू रसोई में भोजन नहीं कराया जा रहा है, बल्कि वहां श्रमिकों को आरजेडी की सदस्यता दिलाई जा रही है। गरीबों की सेवा से लालू परिवार का वास्ता नहीं है।

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के खौफ ने मुस्लिम भाइयों की मीठी ईद को भी फीका किया

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के खौफ ने मुस्लिम भाइयों की मीठी ईद को भी फीका कर दिया है। लोग घर पर, घर की छतों पर नमाज पढ़कर ईद मना रहे हैं। इस दौरान न तो कोई गले मिल रहा है और न ही उस जिंदादिली से बधाई दे रहा है, जैसे पहले होता था।

मुस्लिम परिवारों की माने तो यह ईद देश की पहली ऐसी ईद होगी, जिस पर लोग मस्जिदों में नमाज नहीं पढ़ें, ना किसी के घर गए, ना गले मिलेंगे और ना ही किसी से हाथ मिलाए।

वहीं, आजाद भारत के इतिहास में यह पहला मौका है जब ईद के रोज दिल्ली की जामा मस्जिद समेत सभी मस्जिदें बंद हैं। इसी के साथ लोग सुबह 7 बजे से घरों में ही रहकर ईद की नमाज अदा कर रहे हैं। बता दें कि ईद की नमाज पढ़ने का समय सुबह 7 बजे से शुरू हो कर 11.15 बजे तक है। इस बीच कुछ लोग घरों से बाहर भी निकले हैं, लेकिन फीजिकल डिस्टेंसिंग का भी ध्यान रख रहे हैं। उधर, नियमों के उल्लंघन के मामले भी सामने आए हैं।

ऐसा पहली बार है, जब लोग ईद की खुशियों में मस्जिदों को शामिल नहीं कर पाएंगे। इस पाक मौके पर मस्जिदों में रौनक देखते ही बनती थी। नए नए कपड़ों में बच्चों की मस्ती माहौल को खुशनुमा बनाती थी। इस बार ईद की नमाज घर पर पढ़नी है।

फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने कहा कि ईद का नमाज पढ़ने का समय सुबह 7 बजे से पूर्वाह्न 11.15 तक है। इसके बीच में लोग घरों में ही अपनी सहूलियत के अनुसार नमाज पढ़े। घर की नमाज में 4 रकात नफील नमाज पढ़ लें। नमाज में उन्होंने देश को इस बीमारी से निजात मिलने की दुआ करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि इसके पहले स्नान कर लोग खजूर, सेवई या किसी अन्य मीठे व्यंजन से मुंह मीठा कर लें। नमाज के बाद फिर लोग एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दें। शाही इमाम ने कहा कि कोरोना महामारी को देखते हुए लोगों से गले नहीं मिले, न हाथ मिलाएं। अपने दस्तरखाने में भी किसी को न बुलाएं।

नई सड़क की निवासी सादिया सईद कहती हैं कि उनकी नानी का घर बमुश्किल आधे किलोमीटर पर ही है, लेकिन अपनी और सबकी सेहत का ख्याल रखते हुए बाहर नहीं निकलेंगी। गले मिलकर बधाई देने का सवाल ही नहीं उठता। बल्कि दूर दूर से ही मुबारकबाद का दौर चलेगा।

कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए गाजियाबाद - दिल्ली बॉर्डर आधी रात से दोबारा होगा सील, जानें किन-किन लोगों को मिलेगी छूट

कोरोना स्पेशल

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

गाजियाबाद जिले में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लॉकडाउन दो की तर्ज पर एक बार फिर प्रशासन ने दिल्ली बॉर्डर सील करने का फैसला लिया है। इसके तहत सोमवार आधी रात से दिल्ली बॉर्डर सील कर दिए जाएंगे। प्रशासन ने माना है कि दिल्ली में आवाजाही के चलते जिले में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है। इसके चलते मुख्य चिकित्साधिकारी की संस्तुति पर जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने दिल्ली बॉर्डर सील करने का फैसला लिया है। कुछ छूट के साथ आज से दिल्ली में आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि जिले में पिछले कुछ दिनों में कोरोना पॉजिटिव मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है। इन बढे हुए मामलों में बड़ा हिस्सा गाजियाबाद–दिल्ली के बीच आवागमन करने वालों से संबंधित है।इसलिए मुख्य चिकित्साधिकारी गाजियाबाद की संस्तुति के आधार पर जिला प्रशासन ने दिल्ली–गाजियाबाद बार्डर को पूर्व की तरह सील करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही जिले में हॉट स्पॉट क्षेत्रों के लिए नियमों को अधिक कड़ाई से लागू किए जाने का फैसला लिया गया है।

बॉर्डर सील में ये रहेंगे मुख्य बिंदू

भारी वाहन व ट्रकों से माल ढुलाई करने वाले वाहनों, बैंकिंग सुविधाओं से जुड़े वाहन व आवश्यक वस्तुओं एवं दवाओं से जुड़े वाहनों को बिना किसी पास व पूछताछ के सीमा में प्रवेश की अनुमति रहेगी। डॉक्टर, पैरामैडिकल स्टाफ, पुलिस, बैंक कर्मियों के लिए किसी पास की आवश्यकता नहीं होगी, ये लोग अपना परिचय पत्र लेकर चलेंगे, इसी परिचय पत्र को मान्यता होगी।

एंबुलेंस बिना किसी रोक–टोक के आवागमन कर सकेगी

भारत सरकार में कार्य करने वाले उप सचिव और उसके ऊपर के अधिकारी जो गाजियाबाद से दिल्ली जाते है, उन्हें केवल अपना परिचय पत्र दिखाना होगा। इस परिचय पत्र को मान्यता प्रदान करते हुए आवागमन में छूट रहेगी

जिले में बहुत बड़ी संख्या में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के सरकारी कर्मचारी रहते है जो दिल्ली सरकार, भारत सरकार व विभिन्न कार्यालयों में कार्य करते है। ऐसे सरकारी कर्मचारियो के लिए 33 प्रतिशत की सीमा निर्धारित करते हुए कार्यालयो में उपस्थिति के निर्देश है, लेकिन उसका अनुपालन सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। इस श्रेणी के कर्मचारी हजारों की संख्या में है, और वह अपने–अपने कार्यालयों द्वारा जारी किये गये स्थाई परिचय पत्रों के आधार पर आवागमन करना चाहते है। प्रशासन ने अपील की है कि 33 फीसद की सीमा के अंतर्गत ऐसे कर्मचारियों के लिए उनके कार्यालयो द्वारा अलग से पास जारी किए जाएं। यह पास प्रतिदिन या साप्ताहिक आधार के हो सकते है। इस स्तर के अधिकारी व कर्मचारियों को बिना अलग से जारी पास के केवल परिचय पत्र के आधार पर आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

इन्हे भी मिलेगी छूट

कोविड–19 की रोकथाम हेतु भारत सरकार व दिल्ली सरकार के विभिन्न जिलों में कार्यालयों द्वारा ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों व अधिकारियों (जलापूर्ति, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा) को सक्षम स्तर से जारी पास को मान्यता प्रदान की जाएगी। जब तक पास जारी नही हो पाते है, तब तक उनके कार्यालय द्वारा जारी परिचय पत्र को ही मान्यता दी जाएगी। भारत सरकार व दिल्ली सरकार के विभिन्न कार्यालयो को यह सूचित कर दिया जाना आवश्यक होगा कि भारत सरकार के दिशा निर्देश के अनुरूप सीमित संख्या में पास जारी करें

मीडिया कर्मियों को केवल अपना अधीकृत परिचय पत्र दिखाना होगा। इस परिचय पत्र को मान्यता प्रदान करते हुए आवागमन में छूट प्रदान होगी। इसके अलावा विशेष परिस्थितियों में यदि कोई पास केंद्र या दिल्ली सरकार के किसी भी सक्षम स्तर से जारी किया जाता है तो उसको पूरी मान्यता दी जाएगी।

दिल्ली सरकार व केंद्र सरकार में कार्य करने वाले अधिकांश कार्यालयों का समय सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक का निर्धारित है। इसलिए दिल्ली सरकार व केंद्र सरकार में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारी व्यवस्था के तहत परिचय पत्र व पास रखने वाले सुबह नौ बजे तक हर हाल में गाजियाबाद की सीमा से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर लें। इसी प्रकार कार्य समाप्ति के बाद शाम छह बजे के बाद ही उन्हें जिले में प्रवेश दिया जाएगा। अलग अलग शिफ्टों में व आवश्यक सेवाओं वाले कर्मियों पर इस व्यवस्था से छूट होगी
दिल्ली के विभिन्न न्यायालयों में जाने वाले अधिवक्ताओं को परिचय पत्र दिखाने पर उन्हें आने–जाने की मान्यता प्रदान की जाएगी। आवश्यक कार्य से दिल्ली आवागमन करने के लिए **http%//164-100-68-164/upepass2** के लिंक पर आवश्यकता को देखते हुए ई–पास जारी करने की व्यवस्था रहेगी

हॉट स्पॉट क्षेत्र के संबंध में जारी किए गए और कड़े निर्देश

दिल्ली के हॉटस्पाट क्षेत्र से आने वाले व्यक्तियों का गाजियाबाद में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिले में घोषित हॉट स्पॉट क्षेत्र में दिल्ली सहित किसी भी क्षेत्र से आने वाले लोगो का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसी प्रकार जिले के हॉट स्पॉट क्षेत्र से बाहर जाने वाले व्यक्तियों पर भी आवश्यक वस्तु व सेवा छोड़कर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

जिला प्रबंधक एवं सभी ग्रामस्तरीय उद्यमियों के लिए उपलब्ध कराया सैनिटाइजेशन एवं मास्क

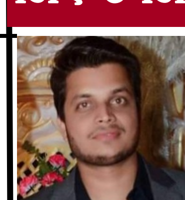

सम्राट, संवाददाता

आप सभी बड़ी संख्या में गांव के अंदर कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के सपने को साकार कर रहे हैं। घर बैठे डिजिधन के माध्यम से हर एक ग्रामीण को भारत सरकार द्वारा खाता में दिये गये पैसे की निकासी का कार्य कर रहे हैं। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि बिना शहर में गये रेलवे टिकट गांव में भी मिल जायेगा। यह काम भी आप लोगों के कारण ही संभव हुआ है। उक्त बातें आज सांसद ,चौयरमैन रेलवे स्टैंडिंग कमिटी सह पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने अपने द्वारा जिला प्रबंधक एवं सभी ग्रामस्तरीय उद्यमियों को भेजे संदेश पत्र में कहीं।

सांसद श्री सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस के संकट की इस घड़ी में भी आप सभी ने विभिन्न प्रकार की सेवाएं जैसे आरोग्य सेतु एप, गैस बुकिंग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, बिजली बिल संग्रहण आदि सेवाएं आपके द्वारा सफलतापूर्वक ग्रामीणों को दी जा रही हैं। कई स्थानों पर आपके ऊपर आक्रमण भी हुआ है, फिर भी कोरोना काल में एक योद्धा की तरह आप अपनी सेवा देते रहे हैं। मैं आप सभी को इन कार्यों के लिए हृदय से बधाई देता हूं।

उक्त सामग्रियों को भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश आस्थाना ने आज जिला प्रबंधक को सुपुर्द किया। मौके पर प्रदेश प्रवक्ता भाजपा अखिलेश सिंह और जिला मीडिया प्रभारी गुलरेज शहजाद उपस्थित थे।

कोरोना वायरस लॉकडाउन के चलते २४ मार्च से फिल्म इंडस्ट्री पूरी तरह ठप, लॉकडाउन ४ के बाद धीरे-धीरे गाड़ी पटरी पर लौटने की उम्मीद, अक्षय कुमार निर्देशक आर बाल्की के साथ मुंबई के कमालिस्तान स्टूडियो में शूटिंग की

रिंकू गिरी,
संवाददाता

कोरोना वायरस लॉकडाउन के चलते 24 मार्च से फिल्म इंडस्ट्री पूरी तरह ठप है। स्टूडियो खाली हैं। कैमरे बंद हैं और कलाकार घरों में बैठे हैं। मगर, लॉकडाउन 4 के बाद धीरे–धीरे गाड़ी पटरी पर लौटने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच सोमवार को अक्षय कुमार निर्देशक आर बाल्की के साथ मुंबई के कमालिस्तान स्टूडियो में सेट पर नजर आये। इस दौरान सेट की तस्वीरें बता रही हैं कि लॉकडाउन के बाद परिस्थितयां बिल्कुल सामान्य होने तक सेट की तस्वीर कैसी रहने वाली है।
न्यूज टुडे टीम के अनुसार, अक्षय और आर बाल्की ने स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लॉकडाउन के बाद जिम्मेदारियों पर एक कैंपेन शूट किया है। इस दौरान टीम ने सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा, जिसकी झलक तस्वीरों में दिखाई भी दे रही है। सभी ने मास्क पहने। शरीर का तापमान चेक हुआ। सेट पर एंट्री से पहले लोगों को वहां मौजूदी सेनिटाइजर मशीन से गुजरना पड़ता था। साथ ही शूटिंग में कम से कम क्रू को शामिल किया गया।
बाल्की कहते हैं– लॉकडाउन के बाद हम सब की क्या जिम्मेदारियां होंगी, इसी विषय पर स्वास्थ्य मंत्रालय का यह एड है। हमें काम फिर शुरू करना है, मगर इसके साथ सुरक्षा का भी ध्यान रखना है। सोशल डिस्टेंसिंग, आउटडोर सेट को सेनिटाइज करना, संक्रमण रोकने वाली स्क्रींस और मास्क। हम इन प्रोटोकॉल्स के लिए चंद मिनटों में अभ्यस्त हो जाते हैं। बहुत कम क्रू और कड़ाई से प्रोटोकॉल का पालन किया गया।
आर बाल्की इससे पहले अक्षय कुमार के साथ पैडमैन और मिशन मंगल जैसी फिल्में बना चुके हैं। बाल्की ने कहा कि प्रोड्यूसर अनिल नायडू ने हमें बताया कि कम से कम लोगों के साथ नियमों का पालन करते हुए कैसे शूटिंग की जा सकती है। इससे पहले हमने पुलिस से संबंधित अनुमति ले ली थी। हमें यह इसलिए करना पड़ा, क्योंकि एक जरूरी संदेश देना है।
लॉकडाउन के चलते कई फिल्मों की रिलीज भी टल गयी है। इनमें अक्षय की सूर्यवंशी भी शामिल है, जो 24 मार्च को ही रिलीज होने वाली थी। वो दिन, जब पहले लॉकडाउन का एलान किया गया था। हालांकि इससे पहले ही निर्देशक रोहित शेट्टी ने फिल्म की रिलीज स्थगित करने का एलान कर दिया था।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830